DIRECTORATE OF EXTENSION

C.S.Azad University of Agriculture & Technology, Kanpur

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Celebration of World Food Day at KVKs, CSAUA&T, Kanpur under Bhart ka Amrit Mahotsav

Name of State	No. of Institutes/ AUs organized the programme	Seminars organized		Training prog. organized		Gosthis organized		Exhibitions organized		Total	
		No. of activities	No. of participants	No. of activities	No. of participants	No. of activities	No. of participants	No. of activities	No. of participants	No. of activities	No. of participants
Fatehpur	1			1		1	105	1	16	3	121
Etawah	1					1	58			1	58
Kannauj	1					1	55			1	55
Lakhimpur	1			1	33		0			1	33
Aligarh	1					1	75			1	75
Hardoi	1					1	80			1	80
Hathras	1					1	67			1	67
Farrukhabad	1					1	54			1	54
Firozabad	1					1	55			1	55
Kanpur Dehat	1					1	155			1	155
Mainpuri	1					1	67			1	67
Raebareli	1					1	30			1	30
Kasganj	1					1	25			1	25
Total	13	0	0	02	33	12	826	01	16	15	875

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	कुल गतिविधि की सं0 सेमिनार/गोष्ठी/प्रशिक्षण/प्रदर्शनी	कुल प्रतिभागियों की सं0 पुरूष/महिला	आमंत्रित वी.आई.पी.
1.	फतेहपुर	03	121	श्रीमति नीरू पाण्डेय , निदेशक रिसर्च प्रोडूसर कंपनी

2.	कन्नौज	01	55	श्री सुखेन्द्र सिंह, प्रगतिशील कृषक

3.	लखीमपुर खीरी	01	33	—

4.	हरदोई	02	80	—

5.	फिरोजाबाद	01	55	—

6.	इटावा	01	58	—,

7.	कासगंज	01	25	श्री संजय पुंडीर, ग्राम प्रधान

8.	फर्रूखाबाद	01	54	श्री इन्द्रेश कुमार, ग्राम प्रधान

9.	दलीपनगर, कानपुर दे0	01	155	–

10.	मैनपुरी	01	67	–

11.	हाथरस	01	67	श्री रवीन्द्र प्रताप , ग्राम प्रधान

12.	अलीगढ़	01	75	–

13.	रायबरेली	01	30	–

मीडिया कवरेज

Sign in to edit and save changes to this file.

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:279 | देहरादून, शनिवार, 16 अक्टूबर, 2021 | पृष्ठ:08

6 JANMAT TODAY — उत्तर प्रदेश — Dehradun 16 October, 2021

विश्व खाद्य दिवस पर आयोजित हुए कार्यक्रम

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ० डीआर सिंह ने बताया कि दिनांक 16 अक्टूबर 2021 को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम है।

स्वस्थ्य कल के लिए आज का सुरक्षित भोजन है उन्होंने कहा कि विश्व भर में 150 से अधिक देशों में हर वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लोग कई सारे खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं खाद्य सुरक्षा द्वारा यह तय किया जाता है कि खाद्य पदार्थों को खाने से पहले उसमें उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण वितरण तैयारी तक खाद्य श्रंखला का हरचरण लोगों की सेहत के लिहाज से सुरक्षित हो इसी उद्देश्य के साथ यह दिवस मनाया जाता है उन्होंने कहा कि दुनिया भर के भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की दशा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और कुपोषण तथा भुखमरी की समस्या से निपटने के लिए व्यापक योजना शुरू करना इसके प्रमुख उद्देश्य हैं उन्होंने कहा कि विश्व खाद्य दिवस सर्वप्रथम 16 अक्टूबर 1981 को आयोजित किया गया था उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दूषित खाद्य या बैक्टीरिया युक्त खाद्य से हर साल 10 में से एक व्यक्ति बीमार होता है उन्होंने यह भी बताया कि विश्व भर में बीमारी का यह आंकड़ा लगभग 60 करोड़ पार है जिसमें से 30 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है मृत्यु के इस आंकड़े को कम करने के लिए ही खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता के प्रति विशेष ध्यान दिया जाता है और लोगों को जागरूक किया जाता है इस कार्यक्रम में सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

शनिवार, 16-10-2021 अंक-378

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

भूख एवं कुपोषण के प्रति जागरुकता के लिए मनाया गया खाद्य दिवस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि विवि के अधीन संचालित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर शनिवार को विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष खाद्य दिवस की थीम है स्वस्थ कल के लिए आज का सुरक्षित भोजन है। उन्होंने कहा कि 150 से अधिक देशों में हर वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। खाद्य सुरक्षा में यह तय किया जाता है कि खाद्य पदार्थों को खाने से पहले उसमें उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण तक हरचरण लोगों की सेहत के लिहाज से सुरक्षित हो। उन्होंने बताया कि दुनिया भर के भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की दशा के प्रति जागरुकता बढ़ाना और कुपोषण से निपटना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। विश्व खाद्य दिवस सर्वप्रथम 16 अक्टूबर 1981 को मनाया गया था। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दूषित या बैक्टीरिया युक्त खाद्य पदार्थ से हर साल 10 में एक व्यक्ति बीमार होता है। विश्व में बीमारों का यह आंकड़ा लगभग 60 करोड़ पार है, जिसमें से 30 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

वर्ष 15 अंक 284 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 17 अक्टूबर 2021

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगरछाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com पेज -8 ...तो इसलिए 'मीत' की शूटिंग में बढ़िया गजर रह

कृषि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर हुआ विश्व खाद्य दिवस कार्यक्रम

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि आज दिनांक 16 अक्टूबर 2021 को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम है स्वस्थ्य कल के लिए आज का सुरक्षित भोजन है। उन्होंने कहा कि विश्व भर में 150 से अधिक देशों में हर वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लोग कई सारे खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं। खाद्य सुरक्षा द्वारा यह तय किया जाता है कि खाद्य पदार्थों को खाने से पहले उसमें उत्पादन,प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण तैयारी तक खाद्य श्रंखला का हरचरण लोगों की सेहत के लिहाज से सुरक्षित हो इसी उद्देश्य के साथ यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की दशा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और कुपोषण तथा भुखमरी की समस्या से निपटने के लिए व्यापक योजना शुरू करना इसके प्रमुख उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि विश्व खाद्य दिवस सर्वप्रथम 16 अक्टूबर 1981 को आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दूषित खाद्य या बैक्टीरिया युक्त खाद्य से हर साल 10 में से एक व्यक्ति बीमार होता है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व भर में बीमारों का यह आंकड़ा लगभग 60 करोड़ पार है जिसमें से 30 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। मृत्यु के इस आंकड़े को कम करने के लिए ही खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता के प्रति विशेष ध्यान दिया जाता है। और लोगों को जागरूक किया जाता है। इस कार्यक्रम में सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष/ वैज्ञानिक एवं किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

News Expert

13 hrs ·

कृषि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर हुआ विश्व खाद्य दिवस कार्यक्रम:- डॉक्टर डीआर सिंह

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम है *स्वस्थ्य कल के लिए आज का सुरक्षित भोजन* है। उन्होंने कहा कि विश्व भर में 150 से अधिक देशों में हर वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लोग कई सारे ख... See more

150 किसानों में वितरित किए सरसों बीज किट

सिकंदराराऊ। जीटी रोड स्थित सरकारी कृषि फार्म पर शनिवार को विधायक वीरेंद्र सिंह राना ने एक आयोजन के दौरान 150 किसानों में सरकारी सरसों बीज के किट का वितरण किया। इस दौरान राना ने महिला किसानों को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। राना ने कहा कि अब किसानों को दलहन व तिलहन का उत्पाद बढ़ाना होगा।

उपनिदेशक कृषि एचएन सिंह ने किसानों को बताया कि इस समय सरसों की बुआई का वक्त चल रहा है। कम लागत पर अच्छी मुनाफा देने वाली सरसों की फसल है। किसानों को चाहिए कि वे ज्यादा से ज्यादा सरसों बोकर लाभ कमाएं। किसानों को बताया गया कि खाद का प्रयोग आवश्यकतानुसार करें। ग्रामीण अंचल के युवा सरकार की योजनाओं को ऑनलाइन देखकर पात्रता के आधार पर आवेदन कर इसका लाभ ले सकते हैं। मौके पर सीपी शर्मा, सुधीर कुमार शर्मा, प्रवीर सिंह, डॉ. एके सिंह, पंकज गुप्ता, नितिन पुण्ढीर, महेश पुण्ढीर आदि थे। संवाद

कीटनाशक व रासायनिक दवाओं का न करें प्रयोग

रतनपुर में विश्व खाद्य दिवस पर जानकारी देते वैज्ञानिक। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

हसायन। कृषि विज्ञान केंद्र के बैनर तले आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शनिवार को रतनपुर में विश्व खाद्य दिवस के मौके पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ. एके सिंह ने समाज के लोगों से कहा कि खाद्य पदार्थों की सुरक्षा के लिए खाद्यान्न उत्पादन के दौरान किसी भी तरह की कीटनाशक व रासायनिक दवाओं का प्रयोग कतई न करें।

कृषि विज्ञान केंद्र पर तैनात गृह विज्ञान वैज्ञानिक डॉ. पुष्पा देवी ने कहा कि संतुलित विकास के लिए अच्छी किस्म के खाद्यान्न की पैदावार करने से समाज को कुपोषण की समस्या से बचाया जा सकता है। संतुलित आहार का सेवन करने से समाज स्वस्थ रहेगा। इस दौरान डॉ. कमलकांत व डॉ. सुधीर कुमार रावत ने भी लोगों को जागरूक किया।

अमर उजाला | **सिंकदराराऊ-सासनी**

रसायन या कीटनाशक का प्रयोग खेत में न करें

कृषि विज्ञान केंद्र ने रतनपुर में आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

हाथरस। कृषि विज्ञान केंद्र के बैनर तले सिकंदराराऊ क्षेत्र के ग्राम रतनपुर में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया। केंद्र के अध्यक्ष डॉ. एके सिंह ने खाद्य सुरक्षा के लिए खाद्यान्नों में रसायन और कीटनाशकों का प्रयोग न करने की सलाह दी।

वैज्ञानिक (गृह विज्ञान) डॉ. पुष्पा देवी ने कहा कि खाद्यान्न के द्वारा कुपोषण की समस्या से बचें, जिससे सभी को संतुलित आहार मिल सके और लोग स्वस्थ्य जीवन जी सकें। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सुधीर कुमार रावत ने खाद्यान्न की महत्ता के बारे में बताया और दूध को प्रतिदिन के भोजन में जरूर शामिल करने की बात कही। कृषि अभियंत्रण के वैज्ञानिक डॉ. कमल कांत ने कहा कि पोषण सुरक्षा के लिए गृह वाटिका को जरूर लगाएं। ताजे फल और सब्जियों को उगाकर खाने से हम स्वस्थ रह सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जिले में व्याप्त कुपोषण की समस्या और खाद्यान्न की बर्बादी को रोकने एवं खाद्यान्न की उपलब्धता के लिए कृषि की नई तकनीकियों और उन्नतिशील फसलों को बढ़ावा देना चाहिए। फसल व पोषण संबंधी अन्य जानकारी किसानों को दी गई।

किसानों को खेती के बारे में जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक। विज्ञप्ति

जिले में आई 1380 एमटी डीएपी

हाथरस। जिले में डीएपी की किल्लत को दूर करने के लिए प्रशासन की ओर से प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। रविवार को जिले में 1380 एमटी डीएपी रैक के जरिए पहुंची। कृषि विभाग की ओर से डीएपी को जिले की 59 सक्रिय सहकारी समितियों पर भिजवाया जा रहा है। इन समितियों से किसान अपने आधार व अन्य दस्तावेजों के आधार पर डीएपी खरीद सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि खाद की किल्लत को दूर करने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। 22 अक्तूबर को अलीगढ़ से डीएपी की एक और रैक मिलेगी। इसके बाद डीएपी की कमी काफी हद तक दूर हो जाएगी। संवाद

www.jagran.com

कुपोषण से बचने को संतुलित आहार लें

संसू, सिकंदराराऊ : कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से ग्राम रतनपुर में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया। डा. एके सिंह ने बताया कि खाद्यान्न को सुरक्षित बनाने के लिए रसायन और कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। कृषि वैज्ञानिक डा. पुष्पा देवी ने कुपोषण की समस्या से बचने के लिए संतुलित आहार पर जोर दिया। पशुपालन वैज्ञानिक डा. सुधीर कुमार रावत ने खाद्य की महत्ता और कृषि अभियंत्रण वैज्ञानिक डा. कमल कांत ने पोषण सुरक्षा को गृह वाटिका लगाने के लिए लोगों को जागरूक किया।

कृषि वैज्ञानिकों ने मनाया विश्व खाद्य दिवस

जलालाबाद(एसएनबी)। विश्व खाद्य संगठन की स्थापना 16 अक्टूबर 1945 को की गई थी। जिसके अवसर पर वृहद किसान गोष्ठी का आयोजन विश्व खाद्य दिवस के रूप में ग्राम भवानीपुर अनौगी में किया गया।

गोष्ठी का संचालन कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. खलील खान ने करते हुए बताया कि हमें खाद्यान्न उत्पादन में आज गुणात्मक बढ़ोत्तरी जरूरत है। हमे अपनी मिट्टी की नियमित जांच कर ही उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। आलू की बुवाई पूर्व मिट्टी की जांच के बाद ही उर्वरक प्रयोग करें। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान सुखेंद्र सिंह ने की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. विनोद दोहरे ने बताया कि आलू बोवाई पूर्व ट्राइकोडर्मा पाउडर 4 ग्राम प्रति किलो कंद व 3 किलोग्राम प्रति बीघा की दर से भूमि शोधन अवश्य करें। आलू में घुघिया कीट से बचाव के लिए फोरेट 10 जी से 2 किलो प्रति बीघा की दर से बुवाई पूर्व अंतिम जुताई से पहले खेत में बुरकाव करने से घुघिया कीट से बचा जा सकता है। मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव ने आगामी 5 दिनों की मौसम परामर्श पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आगामी दो दिनों में बारिश की प्रबल संभावना है। इसलिए आलू बुवाई को अगले चंद दिनों के लिए सम्भव हो तो स्थगित कर लें अन्यथा नुकसान हो सकता है। केपी सिंह, राहुल सिंह, राम नारायण, रामपाल, मेवाराम, बेचेलाल सहित 55 किसानों ने प्रतिभाग लेकर लाभ अर्जन किया।

'विश्व खाद्य दिवस' पर हुए कार्यक्रम

कानपुर। सीएसए कृषि विवि के कृषि विज्ञान केन्द्रों पर शनिवार को 'विश्व खाद्य दिवस' पर भी किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। विवि कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने कहा कि दुनिया भर के भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की दशा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, कुपोषण तथा भूखमरी की समस्या के निदान के लिए व्यापक योजना चलाना 'विश्व खाद्य दिवस' का उद्देश्य है। प्रथम विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर, 1981 को मनाया गया था। विश्व स्वास्थ संगठन के मुताविक दूषित खाद्य एवं वैक्टीरियायुक्त खाद्य पदार्थों के सेवन से हर साल 10 में से एक व्यक्ति बीमार होता है। विश्व भर में बीमारों का यह आंकडा लगभग 60 करोड़ के पार है, जिसमें से 30 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। मृत्यु के इस आंकड़े को कम करने के लिए खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाता है।